वार्षिक उत्सव

शोभा यात्रा, भजन संध्या एवं
विशाल भण्डारा

दिनांक 22 जनवरी 2026 दिन गुरूवार

स्थानः सिद्धपीठ श्री दुर्गा शक्ति मन्दिर
तालकटोरा रोड, आलमबाग चौराहा
लखनऊ

:: आयोजक ::

श्री दुर्गा शक्ति मन्दिर चैरिटेबल ट्रस्ट
(रजि.)

:: मुख्य प्रबन्धक आयोजन ::

अजय शास्त्री (सोनू भईया)

प्रेरणा श्रोत पूज्य माता जी
श्रीमती उमा देवी

Contact No: 9795451670, 8795517527
E-mail.: shreedurgashaktimandir25@gmail.com
Web.: www.shreedurgashaktimandir.in

मुख्य महंत ब्रम्हलीन
ओम प्रकाश जी

प्रिय भक्तवृंद

वार्षिक उत्सव स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी श्रद्धालु भक्तजनों से सविनय अनुरोध है कि समारोह में निम्नांकित कार्यक्रम के अनुसार अपने समस्त परिवार व इष्ट मित्रों सहित सम्मिलित होकर श्री हरि भगवान विष्णु जी एवं श्री सांई नाथ महाराज की असीम अविरल कृपा के पात्र बनें।

कार्यक्रम : दिनांक 22 जनवरी 2026 दिन गुरूवार

मंगल स्नान एवं अभिषेक	.....	प्रातः 09:00 बजे
पालकी यात्रा	.....	प्रातः 11:00 बजे
प्रसाद वितरण एवं भण्डारा	.....	दोपहर 12:00 बजे से प्रभु इच्छा तक
भजन संध्या	.....	सायं 04:00 बजे से शयन आरती तक
शयन आरती	.....	10:00 बजे

मुख्य संरक्षक - श्री हनुमान जी महाराज

मुख्य अतिथि - डॉ. महेन्द्र सिंह (सदस्य विधान परिषद, उ.प्र./प्रभारी मध्य प्रदेश /पूर्व जलशक्ति मंत्री)

:: गरिमामयी उपस्थिति ::

गिरीश मिश्रा (पार्षद)
पीयूष दीवान (पार्षद)
बृजमोहन शर्मा (पार्षद)
नागेन्द्र सिंह (पूर्व पार्षद)
देवेन्द्र सिंह (जीतू) पार्षद
सूर्यपाल यादव (चाचाजी)
सुरेश चन्द्र तिवारी (पूर्व विधायक)
राकेश श्रीवास्तव (प्रदेश संयोजक)
शिवकुमार बाबा (पूर्व पार्षद)
अश्विनी सिंह (उपाध्यक्ष कैन्ट वि.स.)
आर.डी. दीक्षित (मानस मर्मज्ञ)
संतोष बलखण्डी (पूर्व पार्षद)
राहुल राज रस्तोगी (उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र उ.प्र.)
डॉ. अनूप वर्मा
एम.पी. दीक्षित
रामरूप यादव (पप्पू यादव)
अजय कुमार (अधिवक्ता)
सत्यप्रकाश शर्मा (अधिवक्ता उच्च न्यायालय)
नीरज गुप्ता (अधिवक्ता उच्च न्यायालय)
रजनीश खरे
मोहन जी श्रीवास्तव

:: आयोजक मण्डल ::

आर.सी. पाल
राकेश मिश्रा
संजीव त्रिपाठी
सुमन्त त्रिपाठी (त्रिपाठी मेडिकल्स)
अमर पाल सिंह
नरेश मिश्रा (ज्योतिशाचार्य)
प्रदीप (ग्लोबल स्टूडियो)
प्रवीन सिंह
ध्रुव शर्मा
राजेन्द्र विश्वकर्मा
प्रवीन अरोड़ा
सौरभ श्रीवास्तव
संतोष पाण्डेय (सोनू भईया)
राजेश मेहरोत्रा
रवि गुप्ता (गुप्ता बन्धु)
सचिन शंकर (सांई द बैण्ड)
सुनील सैनी
देश कुमार खरे
आशीष घोष (चेयरमैन धनाकांक्षा ग्रुप)
अमित पाण्डेय (कर्मकाण्ड विशेषज्ञ)
राजेश खरे (श्री बालाजी डिजिटल पब्लिसिटी)
विनय पाठक (चेयरमैन आकार ग्रुप)
देवेन्द्र सिंह (अधिवक्ता उच्च न्यायालय)
अनुपम कुमार (नगर निगम लालबाग)
सुधीर पाल (पाल लाइट एण्ड टेन्ट हाउस)
ज्ञानेन्द्र सिंह (कनौसी)

:: विशेष सहयोगी ::

बबलू गुप्ता (गुप्ता कैटर्स)
सुरेश यादव (मिलन पुड़ी)
चिराग विरमानी (राजलक्ष्मी स्वीट)
डा. गौतम (आर.के. मेडिको)
ओम प्रकाश साहू (पूजा पंसारी)
सुनील सबरवाल (राज ड्राईक्लीनर्स)
शेर सिंह
सुनील सहगल (राधे-राधे)
दिलीप (किशोरी सीमेन्ट)
कौशलेस (इन्डियन गैस)
चन्द्रशेखर (मनोकामना बैण्ड)
गोपाल अग्रवाल (कृष्णा ट्रेडिंग)
विनोद कुमार वैश्य (सौन्दर्य साड़ी)
ह्रदेश शर्मा
हरीश मलानी
अमित सागर
अभिषेक वर्मा
रमेश साहू
गुड्डू सैनी
प्रयांग मिश्रा
शिवओम गुप्ता
मंजू श्रीवास्तव
अमित माथुर
मनोज बाजपेई
धर्मेन्द्र सिंह चौहान
शशि बुधराजा
आशीष गुप्ता
नरेश गुप्ता
वैभव (डी.जे.)
संजय जैसवाल
संतोष श्रीवास्तव
सौरभ सोनी
हरिओम गुप्ता
प्रदीप मेहता
रेखा पाल
आदर्श श्रीवास्तव

:: श्री दुर्गा शक्ति मन्दिर परिसर के सम्मानित सदस्य ::

मनोज पाल	संजय मिश्रा	विनोद भईया	राजेन्द्र शुक्ला	विनय शुक्ला
रमेश प्रताप सिंह	किशन महाराज	परमजीत सिंह	अमित अरोड़ा	रजनीश शर्मा
नीतू विनीत छावड़ा	सतीश यादव	संदीप गुप्ता	रत्ना सिन्हा	शक्ति गुप्ता
डॉ. संदीप पाण्डेय	गोपाल जी	दीपचन्द्र गुप्ता	निशान्त सिंह	देश दर्शन
विनीता अरोड़ा	गुलशन कुमार	रमेश चन्द्र सती	आर्निका शर्मा	आशुतोष शर्मा
धर्मेन्द्र मिश्रा	राजू गुप्ता	गजेन्द्र पाण्डेय	रंजीत कुमार	विशाल बजरेगी
राजेश्वरी सिंह	गिरीश चन्द्र गुप्ता	सत्यपाल सिंह	संजीव श्रीवास्तव	रिषी राज पाण्डेय
दिवाकर मिश्रा	नन्द लाल गुप्ता	चन्द्रमोहन	सुशील प्रजापति	सिमा राय
पंकज अरोड़ा	अजय श्रीवास्तव	कुन्दन सिंह	मोहन तिवारी	दीपू यादव
शैलेश कुमार सिंह	भरत प्रकाश मेहता	विनीत कुमार	राकेश वर्मा	अजय प्रताप सिंह
हरपाल (नारायण वेज)	आदित्य कुमार श्रीवास्तव	आकाश सोनकर	मुकेश पाल	गुरबीर सिंह
अरुन कुमार गुप्ता	सतीश सोनी	विशाल बावला	राजेश सोनकर	सौरभ कुमार
आकाश शर्मा	शशांक शर्मा	अशोक अवस्थी	कुन्दन लाल	पंकज मिश्रा
अर्चना वर्मा	कुँवर श्रीवास्तव	चरनजीत सिंह	पवन रस्तोगी	मानव निगम
गौरव	आँशू शर्मा	आशीष हाण्डा	के.डी. द्विवेदी	ऋषिराज पाण्डेय
दीपिका	अजय पाल	अजय पाण्डे (डीजल शेड)	अविनाश कुमार	जय महेन्द्र
मंयक पाण्डेय (पाण्डेयगंज)	राजकुमार	मुकेश कुमार श्रीवास्तव	कमल कुमार	विनय कुमार
के.पी. यादव	अशोक कुमार लुड़वानी	सिद्धार्थ सिंह	मोहिता गुप्ता	
शम्भू नाथ सिंह	अशोक मिश्रा	नन्दगोपाल शर्मा	नागेश्वर राव	

:: मुख्य सेवादार ::

स्मृति वर्मा	नितीश राज चन्दानी	श्रयान्श तिवारी	यश रस्तोगी	अनमोल कश्यप
रिक्की सेठी	अनिकेत शुक्ला	लक्की सिंह	शुभ रस्तोगी	आदित्य सिंह
लालचन्द्र पाल	आयुष जायसवाल	दीपा कौर	कार्तिक	दक्ष सोनी
सूरज राजपूत	रोहन दुबे	मौसम रस्तोगी	कुलदीप कश्यप	

:: संदेश ::

लगभग 300 वर्षो से अधिक की आध्यात्मिक विरासत, आस्था और विश्वास की अनवरत यात्रा की स्वर्णिम स्मृतियों को सहेजे सिद्धपीठ श्री दुर्गा शक्ति मन्दिर के शुभ वाषिकोत्सव के आनन्दमय पर्व पर मैं आयोजन के सुचारू रूप से सफल होने की कामना करती हूँ।

प्राचीनता से नवीनता की यह यात्रा भक्ति, शक्ति और अध्यात्म की अविरल त्रिवेणी है। इस त्रिवेणी में आचमन मात्र से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्णतया साकार हो जाती है।

मैं सिद्धपीठ दुर्गा शक्ति मन्दिर के इस भव्य आयोजन के लिए मन्दिर के प्रधान पुजारी 'श्री अजय शास्त्री' शिव सेवक 'ऋषभ बाबा' व मन्दिर परिवार के सभी सम्मानित सदस्यों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

कंचना मिश्रा

सेवा निवृत्त शिक्षिका, भूतपूर्व सेक्टर वार्डन,
वर्तमान में उपाध्यक्ष – हिन्दी पत्रकार एसोसिएशन
काव्य एवं लेखन में अभिरुचि लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत वर्ष

ॐ :: मन्दिर का इतिहास :: ॐ

लखनऊ के तालकटोरा रोड स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री दुर्गा शक्ति मंदिर का इतिहास बेहद गौरवशाली है, जो सदियों पुरानी आस्था का केंद्र है, यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि स्थानीय इतिहास का भी अभिन्न अंग है, जहाँ हर साल सभी पर्व एवं त्योहार बड़ी भक्ति और श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं। इस सिद्ध पीठ को जन-मानस मनोकामना पूर्ति केन्द्र मानते हैं।

प्रमुख बिंदुः अति प्राचीनः यह मंदिर कई सदियों पुराना माना जाता है, जहाँ पारंपरिक रूप से पूजा अर्चना की जाती रही है, जिससे उसकी ऐतिहासिक महत्व का पता चलता है।

सिद्धपीठः इसे मनोकामना सिद्धपीठ के रूप में जाना जाता है, जहाँ भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है, खासकर नवरात्रि के दौरान।

ऐतिहासिक जुड़ावः मंदिर का इतिहास लखनऊ के प्राचीन इतिहास से जुड़ा है और यह शहर की आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

स्थानीय आस्थाः यह मंदिर स्थानीय लोगों के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है, जहाँ प्रत्येक दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं, प्रारंभ में जब मंदिर का नामकरण नहीं हुआ था, तब भी लोग अपनी आस्था अनुसार भुइयन देवी मन्दिर, हनुमान मंदिर, संतोषी माता मंदिर आदि नामों से जानते रहे हैं।

प्रत्येक सोमवार बाबा महादेव का अद्भुत श्रृगांर होता है। मंगलवार को हनुमान जी की कृपा वर्षा रहती है। बुधवार को विधिवत गणेश पूजन का विधान है। गुरुवार को श्री हरि विष्णु जी, गुरु महाराज व साई भजन से भक्त अभिभूत रहते हैं। शुक्रवार को देवी पूजन-अर्चन व कीर्तन के माध्यम से माता का आशीर्वाद भक्तों को प्राप्त होता है। शनिवार को श्री सुन्दर काण्ड का नियमित पाठ का विधान होता है। नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ, हवन, जागरण व कन्या भोज के साथ प्रसाद वितरण किया जाता है। जन्माष्टमी, शिवरात्रि आदि पर्व बड़े धूम-धाम से मनाए जाते हैं। इसी प्रांगण में मुण्डन, कर्णछिदन एवं देवाई आदि सनातन संस्कार बड़ी आस्था एवं विश्वास से पूर्ण किए जाते हैं।

विस्तार सेः यह मंदिर, तालकटोरा रोड पर स्थित लखनऊ के सबसे पुराने और पूजनीय दुर्गा मंदिरों में से एक है, यहाँ सदियों से माँ दुर्गा की पूजा होती आ रही है, और यह मंदिर अपनी अद्भुत शक्ति और चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध है. नवरात्रि के दौरान यहाँ का माहौल भक्तिमय हो जाता है, और भक्त माँ दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते है।

श्री बजरंगबली जी का स्वयंभू विग्रह : इस मंदिर के वरिष्ठतम सेवक (ब्रह्मलीन महंत गोमती प्रसाद जी) के अनुसार जहां हमारा (माँ दूर्गा जी का जाप वहां तुम्हारी (हनुमानजी की छाप) थाप माँ दुर्गा जी के साथ-साथ हनुमान जी प्रतिमा स्वरूप में स्वयं प्रकट हुए है। उन्होंने ही बताया कि कठिन से कठिन समस्या के समाधान हेतु निर्वाध रूप से बिना किसी व्यवधान के सात मंगलवार आकर श्री बजरंग बली जी का दर्शन -वंदन करने से समस्या का समाधान स्वयं श्री हनुमान जी करते हैं इसी क्रम में भक्त नियमित रूप से दर्शन-पूजन करने आते रहते हैं। मंदिर की इस पवित्र विरासत को ब्रम्हलीन पुजारी ओम प्रकाश जी ने बड़ी भक्ति, आस्था और शुचिता से आगे बढ़ाया। वर्तमान में मुख्य पुजारी श्री अजय शास्त्री जी के प्रबंधन में मंदिर नित नवीन शोपानो का साक्षी है। यह मन्दिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि लखनऊ के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ताने-बाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ो से जोड़े रखता है।

नोटः हालांकि, इस विशिष्ट मंदिर के बारे में विस्तृत ऐतिहासिक दस्तावेज सीमित है. लेकिन इसकी पुरानी स्थापना और स्थानीय मान्यताएँ इसके गौरवशाली इतिहास की पुष्टि करती हैं.